स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १९ वि.सं. २०८३ सावन १९ गते मंगर थारु सम्वत (२६४९) [Tuesday 04 Aguest 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

धनगढी उपमहानगरसे पेपरलेस सेवा सुरु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ सावन । सुदूरपश्चिमके एकठो किल उपमहानगरपालिका धनगढीसे सरकारी कामकाजहे पूर्णतया प्रविधिमैत्री बनाइक लाग 'पेपरलेस धनगढी' सेवाके सुरुवात करले बा ।

सोम्मारके उपमहानगरमा आयोजित पत्रकार सम्मेलनमार्फत सेवाग्राहीहे कार्यालयसे प्रवाह हुइना सेवाहे प्रविधिमैत्री, छिटोछरितो, पारदर्शी ओ झन्झटमुक्त सेवा डेना उद्देश्यसे नयाँ प्रणाली सुरु करल जानकारी कराइल हो ।

उपमहानगरके सञ्चार तथा सुचना प्रविधि शाखा प्रमुख इन्जिनियर अनुप भट्टके अनुसार धनगढीमे पाछेक समय बाहिरी जनसंख्याके चाप बहटी गैल ओरसे उ डिजिटल प्रणालीसे वास्तविक करदाता ओ नगरवासीके पहिचान कैना सहज बनैना उहाँ उल्लेख करलै ।

उहीसे उपमहानगरसे प्रदान कैना सेवा-सुविधा आपन नागरिकहे प्राथमिकताके साथ उपलब्ध करैना मद्दत पुग्ना शाखा प्रमुख भट्ट बटैलै ।

उपमहानगरसे प्रवाह हुइना सेवाहे सफल बनाइक लाग एकीकृत डिजिटल प्रणाली (यूडीजीपी) सञ्चालनमे लन्ना

जनैले बा । शाखा प्रमुख भट्टके अनुसार अक्के प्रणालीभिट्टर अन्य टमान सफ्टवेयरहे जोरके सेवा प्रवाह करजैना बा । शाखा प्रमुख भट्ट कहलै, 'ढेर पालिका आआपन सहजताके लाग छुट्टाछुट्टे डिजिटल प्लेटफर्म बनाइबर सूचना एकीकृत हुइ सेकल नैहो ।

मने धनगढी उपमहानगरसे विकास करे लागल अक्के मूल प्लेटफर्म यूडीजीपीसे सक्कु विवरण समेट्ना बा । इहीसे नागरिक एकचो अपलोड करल कागजात प्रणालीसे अपनहे ट्र्याक कैना बा । जेकर कारण सेवाग्राही फाइल बोकके बारम्बार कार्यालय आइ पर्ना बाध्यता अन्त्य हुइना बा ।'

उ योजनाके पहिल चरणअन्तर्गत उपमहानगरके १९ वडाके सचिवहे तालिम डेहल बा । उ चरणमे नागरिक ई-केवाईसी, टमान सिफारिस ओ फाइल ट्र्याकिङ अर्थात् कागजात कहाँ पुगल कहिके हेरे मिल्ना प्रणाली बारे सचिवहुक्रनके नेतृत्व विकास करजैना बा ।

अनलाइन प्रणाली चलैना असमर्थ वा प्रविधिमे साक्षर नैरहल सेवाग्राहीके लाग उपमहानगरसे कार्यालयमे 'हेल्पडेस्क' (सहायता कक्ष) फेन स्थापना करले बा । वहाँ रहल कर्मचारीहे सेवाग्राहीके विवरण डिजिटल माध्यमसे दर्ता कैडेना ओ सेवा प्रदान कैना व्यवस्था मिलाइल शाखा प्रमुख भट्ट जानकारी डेलै ।

शाखा प्रमुख भट्टके अनुसार इ प्रणालीके सुरुवातसँगे आब नगरवासी जन्मदर्ता, नागरिकताके लाग आवश्यक सिफारिस, व्यवसाय दर्ता तथा नवीकरणजैसिन कार्य घरमे बैठके करे सेक्ना बटै ।

यदि कौनो कागजात अपुग हुइलमे वा कुछ समस्या आइलमे कार्यालयसे सम्बन्धित व्यक्तिके मोबाइलमे मेसेज पठैना जनाइल बा ।

सेवाग्राही आपन कागजात मोबाइलमे प्राप्त कैके प्रिन्ट करे सेक्ना बटै कलेसे आधिकारिकताके लाग ओम्ने क्यूआर कोड राखजैना बा, जिहीहे अन्य कार्यालयसे फेन स्क्यान कैके प्रमाणीकरण करे सेकजैना बा ।

ओस्टके, यूडीजीपी ई-सिग्नेचर मोड्युल, डिजिटल अभिलेख व्यवस्थापन प्रणाली, नागरिक गुनासो तथा सुझाव व्यवस्थापन प्रणाली, कार्यालय टिप्पणी लेखन तथा व्यवस्थापन प्रणाली, डिजिटल भुक्तानी तथा राजस्व संकलन प्रणाली, विकास निर्माण अनुगमन तथा सूचना प्रणाली, सार्वजनिक सूचना प्रणाली, कार्यालय विवरण प्रणाली, विपद् प्रणाली, डाटा दृश्यावलोकन प्रणाली, डाटा सुरक्षा प्रणाली लगायत सेवा रहल बावै ।

३० महिनामे सम्पन्न हुइकपर्ना ६२ किमी हुलाकी सडक १० वर्षसम नै बनल

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १८ सावन । चट्टानी पहाड, भौगोलिक विकटता ओ अन्य अवरोध नैहुइल फे कञ्चनपुरके ६२ किलोमिटर हुलाकी सडक साढे नौ वर्ष बिटसेकलमेफे सम्पन्न हुइ नैसेकल हो ।

बार-बार ठेक्काके म्याद थपल निर्माण व्यवसायीहे काम कैना मौका देहल । स्थानीयवासीसे सांसद, मन्त्री ओ राजनीति समेत समयमे काम सम्पन्न करना आग्रह करल फे हुलाकी सडकके बीचके खण्ड अभिन लवा ठेक्का प्रक्रियामे कोठा लेहल बा ।

३० महिनाभिटर निर्माण सम्पन्न कैना करके २०७३ फागुनमे तीन चरणमे ठेक्का सम्झौता हुइ निर्माण सुरु हुइल जिल्लाके दक्षिण क्षेत्रके हुलाकी सडक अभिन पूरा हुइ नैसेकल हो ।

बार-बार सम्झौता करके सडकके पहिल ओ अन्तिम प्याकेज (डोकेबजार-बेलौरी ओ बेल्डाडी-दैजी खण्ड) सकल फे बीचके प्याकेज फे लवा ठेक्का देना प्रक्रियामे बटी," हुलाकी राजमार्ग योजना कार्यालय धनगढीके प्रमुख मुकुन्दप्रसाद लामिछाने कहलै, "इ योजना समयमे सम्पन्न नैहुइलमे ठेकेदारके प्राथमिकतामे नैपरल । हम्रे काम कैना सक्कु वातावरण तयार करके देहल फे उहाँहुकरे कामप्रति गम्भीर नै हुइलै ।"

डोकेबजारसे बेलौरीसमके पहिल प्याकेज (२० किलोमिटर) सडक सडक डिभिजन कार्यालय महेन्द्रनगरहे हस्तान्तरण कैना प्रक्रियामे रहल उहाँके कहाइ बा ।

"अन्तिम २४ किलोमिटर बेल्डाडी-दैजी खण्डके काम फे सेकल डीएलपी (त्रुटि दायित्व अवधि) मे बा ," प्रमुख लामिछाने कहलै , "म्याद थप, भुक्तानीलगायतके काममे कार्यालयसे पूर्ण सहयोग रहीके फे ठेकेदार पेटी ठेकेदार राख्ना, कामके भुक्तानी नैदेना लगायतके बदमासीके कारण वर्षौंसम योजना नैसेकल ।"

उहाँ योजनाअन्तर्गत बेलौरीसे बेल्डाडीसमके बीचके प्याकेजअन्तर्गत निर्माण कम्पनी बाबा हंस सिद्धीसाई जेभीसे ११ किलोमिटर सडक कालोपत्रे करकेफे ढेर ठाउँमे भत्काक सेकल बटैलै ।

"इ प्याकेजमे ठेकेदारसे लापरबाही करल पाछे ठेक्का तोरके अब्बे लवा ठेक्काके लग स्टिमेट तयार करटी रहल बटै । डेढ महिनाभिटर लवा ठेक्का खुली," उहाँ कहलै, "उ खण्डमे भारतसे दशगजालगायत सीमा विवाद करके पचुई क्षेत्रमे एक हजार ४०० मिटर सडक कालोपत्रे कैना नैसेकल । उ भाग छोरके काम आघे बह्रल बा ।"

लवा ठेक्का आह्वान करेकपर्ना बीचके प्याकेज एकरआघे ४१ करोड रुपैयाँमे ठेक्का सम्झौता हुइल रहे । निर्माण व्यवसायीसे *(बाँकी ३ पेजमे)*

स्थानीयके गुनासा सम्बोधन कैना प्रतिबद्धता

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १८ सावन । कञ्चनपुर निर्वाचन क्षेत्र नं. १ के स्थानीय प्रतिनिधि सभा सदस्य जनकसिंह धामीसमक्ष इ क्षेत्रके समस्या तथा गुनासा प्रस्तुत करले बटै ।

निर्वाचित हुइलपाछे नागरिक सुनुवाइके क्रममे गाउँ गाउँमे पुगल प्रतिनिधि सभा सदस्य धामीसमक्ष यहाँके स्थानीय करिब दुई सय गुनासा तथा समस्या समाधानके माग करल हुइट ।

चार स्थानीय तह रहल क्षेत्र नम्बर १ मे बेलौरीके स्थानीय छोटी भन्सार नाका स्तरोन्नति करे पर्ना, हुलाकी सडक, कलुवापुर-बेलौरी सडक कालोपत्रे करे पर्ना, गोकुलपुरमे प्रहरी चौकी स्थापना, वडा-९, कुण्डामे सडक कालोपत्रे करे पर्ना माग राखल बटै ।

ओस्टके स्थानीयसे दोदा लडिया तटबन्ध निर्माण, मुख्य सडकमे सिसिटिभी क्यामरा जडान करे पर्ना, रेस्क्यु भवनके काम आघे बह्राइ पर्ना, दोदामे आर्यघाट निर्माण करे पर्ना, मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व घटाइ पर्ना, पहटी कमैटी विद्यार्थी कार्यक्रम लाने पर्ना सहित ६१ माग राखल बटै । स्थानीयसे मलखादके समस्या, लागुऔषध समस्या, ढल निकास समस्या, विद्युत् समस्या, सीमा समस्या समाधान कैना माग करले बटै ।

लालझाडी गाउँपालिकाके स्थानीयसे जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा, सुकुमवासी, भूमिहीन दलित ओ अव्यवस्थित बसोबासी तथा आरक्षपीडितके समस्या समाधान करे पर्ना, लालझाडीमे प्रहरी चौकी स्थापना करे पर्ना, चिनी मिल जोर्ना दोदा लडियामे पक्की पुल निर्माण करे पर्ना, १० शय्याके अस्पताल निर्माण करे पर्ना तथा जङ्गली जनावर बाँदर भगैना व्यवस्था करे माग करले बटै ।

नागरिक सुनुवाइ कार्यक्रममे स्थानीयसे राखल माग क्रमशः सम्बोधन कैटी लैजिना प्रतिनिधि सभा सदस्य धामी बटैले बटै । टमान क्षेत्रके व्यक्ति, संस्थासँग कुराकानीके क्रममे उठल तथा छुटल समस्या पुनः इहे कार्यक्रममार्फत निरन्तरता डेना बटैली उहाँ वर्तमान समयमे डेखल समस्या सम्बोधन कैना निरन्तर लग्ना बटैलै ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अर्गानिक प्रमाणीकरणमे किसानके लाखौं खर्च

पहुरा समाचारदाता

इलाम, १८ सावन । नेपाली चियाके 'अर्गानिक' प्रमाणीकरणके लाग किसान ओ उद्योग बर्सेनि लाखौं रुपियाँ खर्च करटि आइल बटैं । देशभित्तरके अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला नैरना ओ रहल प्रयोगशाला फेन मान्यता नैपाके बर्सेनि लाखौं रुपियाँ खर्च करेपरना बाध्यतामे चिया उत्पादक ओ चिया उद्योग बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय- स्तरके नासा, आइओएम, सेरेसलगायतके संस्था नेपाली चियाके बोटसमे आके अर्गानिक रहल नैरहल प्रमाणित करलपाछे किल नेपाली चिया अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे जैना अवसर पाइठ । यकर लाग उ संस्थामे निवेदन डेहे परठ ।

"एक वर्षमे तीन/चार चोसम अनुगमन ओ अध्ययन करलेसे किल उहाँहुक्के अर्गानिक रहल सिफारिस पठैठैं," केन्द्रीय चिया सहकारी संघके महासचिव रविन राई कलैं, "विदेशसे इन्स्पेक्सन टोलीके खर्चसमेत सब हम्रे करे परठ ।"

किसानके चिया बगानहे लगातार तीन/चार वर्ष हेरके पकल उ संस्था अर्गानिक प्रमाणीकरण करठ । एक चो प्रमाणीकरण हुइलपाछे किल बर्सेनि तिनु संस्थासे अर्गानिक प्रमाणीकरणके नवीकरण करे परठ । यकर लाग फेन उ संस्थाके प्रतिनिधि आके किसानके बगान अध्ययन करलपाछे किल नवीकरण हुइना करल बा ।

"अर्गानिक प्रमाणीकरण प्रक्रिया एकडम झन्झटहा ओ खर्चहा रहल ओरसे सब नेपाली चिया उद्योग प्रमाणीकरणमे जाइ सेकल नैहो," राई कलैं, "आब अर्गानिक प्रमाणीकरण नेपालमे हुइना व्यवस्था सरकारसे करे परल ।" इलामके चिया उद्योग वार्षिक आठसे ३२ लाख रुपियाँसम प्रमाणीकरणमे खर्च करना करल बा । अइसिके प्रमाणीकरण हुइल चिया जर्मन, रसिया, फ्रान्स, नेदरल्यान्ड, अमेरिका, हल्यान्ड, बेल्जियमलगायत युरोपियन मुलुक ओ छिमेकी राष्ट्र चीनमे जैना करठ । इलामके गोर्खा टी स्टेट, जसबिरे चिया उद्योग, तीनजुरे चिया सहकारी, उच्च पहाडी चिया सहकारीलगायत दर्जनौं उद्योग उत्पादन करल 'स्पेस्यालिटी टी' तेसर मुलुक जैना करल बा ।

हुइना टे विगतमे हुइल चियाके विश्वभरके टमान प्रदर्शनीमे तीनजुरे, जसबिरे गोर्खालिगायतके उद्योगके चिया 'गोल्ड मेडल' फेन प्राप्त करलेरहे । नेपाली चियाके स्वाद ओ बास्नामे विदेशीहुके लोभिना करलेसे फेन चिया व्यवसायी बटैठैं ।

राज्यके लगानी नैहुइना, किसानहे सहयोग नैहुइना ओ अपन प्रयोगशाला नैहोके नेपाली चियाके लाग भारी दुर्भाग्य रहल उहाँहुकनके गुनासो बा । "हम्रे बर्सौंसे अर्गानिक उत्पादनके लाग समय ओ मूल्य खर्चा करले बटि," गोर्खा टी स्टेटके सञ्चालक उदय चापागाई कलैं, "यी चो प्रधानमन्त्री अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला स्थापना करनामे चासो देखैले बटैं । हम्रे ओम्ने आशावादी बटि ।"

प्रयोगशाला परीक्षणके नाममा गैल मेमे भारत कडाइ करलपाछे नेपाली चिया निर्यात करिब २२ दिन ठप्प रहे । ओकरपाछे इलामके माईपूर्वके चिया उद्योगसे दुई पात एक सुइरो चियाहे प्राथमिकता डेहे लागल बटैं ।

यहाँक उद्योग किसानके चियाके मूल्य फेन प्रतिकिलो ५० से ६० रुपियाँ डेहल बटैलैं । "किसान पहिलेसे मजा चिया डेहे लागल बटैं," सूर्योदय टी प्रोड्युसर्स एसोसिएसनके उपाध्यक्ष ज्ञानी लिम्बू कलैं, "अर्गानिक प्रमाणीकरण खर्चहा बा । सरकार अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला स्थापना करठ कलेसे हम्रे पूर्ण अर्गानिकमे जैना प्रतिबद्ध बटि ।" प्रधानमन्त्री वालेन्द्र शाह सावन ८ मे 'अर्गानिक एसोसिएसन नेपाल' के पदाधिकारीसँग छलफल करटि नेपालमे अर्गानिक कृषि उत्पादनके प्रमाणीकरण करना व्यवस्था देशभित्रे मिलैना निर्देशन डेले रहैं ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

पर्यटकके वैवाहिक गन्तव्य

संघीय तथा मधेश सरकार ओ जनकपुरधाम उपमहानगरपालिका तीनु सरकार जनकपुरधामहे वैवाहिक गन्तव्यके रूपमे विकास करना योजना यी वर्षके नीति तथा कार्यक्रममे ढरले बा । विगत वर्षमे फेन यी सरकार वैवाहिक गन्तव्य बनैना विषय अपन वार्षिक कार्यक्रममे समोटल रहे ।

वैवाहिक गन्तव्यके रूपमे विकास करना संघीय सरकारके सहयोगमे जनकपुरधामस्थित मणिमण्डपमे भारी भौतिक संरचना निर्माण करल बा । मधेश प्रदेश ओ स्थानीय सरकारके सहयोगमे जानकी मन्दिरलगायतके धार्मिक स्थलमे भौतिक संरचनाके विकास करल बा । जनकपुरके अधिकांश पोखरी, तलाउ ओ मठमन्दिरके स्वरूप फेरल बा । कुछ योजना कार्यान्वयनमे बा मने वैवाहिक गन्तव्यके रूपमे जनकपुरधामहे विकास करना ठोस रणनीतिक योजना तयार हुइ सेकल नैहो । भौतिक विकाससे किल विश्वके पर्यटक आकर्षित करे नैसेक्जाइ ।

संसारके चर्चित अधिकांश सफल पर्यटकीय सहरके कौनो ना कौनो कथासे पर्यटक आकर्षित करल रहठ । प्रेमके कथा अनुभव करना फ्रान्सके पेरिस, रोमान्टिक वातावरण महसुस करना इटालीके टस्कनी, राजसी वैभव हेरना भारतके राजस्थान ओ आध्यात्मिक अनुभवके लाग पर्यटक इन्डोनेसियाके बाली जैना करठैं । जनकपुरधामके कथा भर फरक ओ शक्तिशाली बा, विश्वमे सर्वाधिक सम्मानित वैवाहिक आदर्श जोडी राम ओ सीताके विवाहके कथा ।

यी केवल धार्मिक विश्वासके विषय किल नेहोके दक्षिण एसियाके साझा सांस्कृतिक स्मृति हो । भारत, नेपाल, मौरिसस, फिजी, सुरिनाम, त्रिनिडाड, गुयाना, इन्डोनेसिया, थाइल्यान्डसे विश्वभरके हिन्दु समुदायके लाग राम-सीताके विवाह आदर्श वैवाहिक सम्बन्धके प्रतीक हो । अइसिन ब्रान्ड संसारमे दोसर नैहो । जनकपुर अपन यिहे ब्रान्डहे विश्वसामु डेखाके आकर्षणके केन्द्र बनेसेकि । यिहिनसे जनकपुरधाम सहरके किलल नैहोके, मधेश प्रदेशसँगे नेपालके पर्यटन क्षेत्रमे आर्थिक अवसर वृद्धि करना योगदान डेहे सेकि ।

गैल वर्ष नेपालके लाग बेलायती राजदूत रब फेन अपन पत्नी जुलिया फेनसँग अपन वैवाहिक वर्षगाँठ मनैना जनकपुरधाम आइल रहैं । उहाँहुक्रे मिथिला संस्कृति ओ परम्परा अनुसारके पोसाकमे जानकी मन्दिरमे पूजा करलैं, माला साटासाट करलैं । मन्दिरके परिक्रमा कैके वैवाहिक जीवनके सुख, शान्ति तथा सफलताके कामना करले रहैं । उहाँहुक्रे जनकपुरके मणिमण्डप पुगके राम-सीता विवाहसँग सम्बन्धित पौराणिक प्रसंगबारे जानकारी लेलैं । मिथिला कल्चरल भिलेज घुमके स्थानीय परिकार खैलैं, धनुषाधामके दर्शन करलैं । वन क्षेत्रमे वृक्षरोपण कैके साँझके गंगा आरतीमे सहभागी होके सामाजिक सञ्जालमार्फत अपन अनुभव साटले रहैं ।

राजदूत दम्पती वैवाहिक वर्षगाँठके अनुभवके समाचार सञ्चार माध्यम ओ सामाजिक सञ्जालमे चर्चाके विषय बनल रहे । विदेशी दम्पती वैवाहिक वर्षगाँठ मनैना करल भ्रमणसे जनकपुरहे जुनस्तरके सकारात्मक प्रचार दिलाइल, यिहिनसे औरे दम्पतीहे फेन वैवाहिक वर्षगाँठ मनैना उत्प्रेरित करले बा । रोचक विषय कुछ महिनाआघे औपचारिक कामके क्रममे जनकपुर आइल बेला राजदूत फेन यहाँ खिचल तस्बिर अपन पत्नीहे देखैले रहैं । जनकपुरके सांस्कृतिक सौन्दर्यसे

> मिथिला संस्कृतिहे विवाह उद्योगसँग जोरे परल । जनकपुरके सबसे भारी सम्पत्ति भवन नाइहो, संस्कृति हो । मिथिला चित्रकलासे सहजल मण्डप, बाँस ओ प्राकृतिक सामग्रीसे बनल वातावरणमैत्री सजावट ओ विवाह गीत, लोकनृत्य, मखानाके परिकार, परम्परागत आतिथ्य, मिथिला पोसाक, स्थानीय गहनाके प्रयोग आदिहे विवाह प्याकेजके अनिवार्य हिस्सा बनाइ सेकि । विवाह एक कार्यक्रम किल नैहोके मिथिला संस्कृतिके जीवित संग्रहालय बने सेकि । निजी क्षेत्रसे विवाह उद्योगके विकास ओ नेतृत्व करे सेक्ना वातावरण सरकारसे बनाइ परल । नीतिगत निर्णय, पूर्वाधार विकास, करमे छुट, सहुलियतमे ऋण, प्रशासनिक सहजीकरण ओ सरोकारवालाबिच सहजीकरणके काम सरकारके नेतृत्वमे हुइ परठ । आवश्यक लगानीके लाग होटेल, इभेन्ट म्यानेजमेन्ट कम्पनी, ट्राभल एजेन्सी, एयरलाइन्स, बैंक, बिमा कम्पनी ओ स्थानीय उद्यमीसे अग्रता देखाइ परठ । सरकारके मन्त्री, सांसद तथा राजनीतिक दलके नेता विदेश भ्रमण करेबेर, कूटनीतिक सम्बन्ध विस्तार करेबेर ओ विदेशस्थित नेपाली दूतावास विवाह गन्तव्यहे प्राथमिकताके साथ आगे बढ्ाइ परल ।

उहाँहुकनहे प्रभावित किल नैकरल बरु वैवाहिक वर्षगाँठ यिहँ मनैना निर्णयसम पुगाइल । जनकपुर सही रूपमे अपन कथा संसारहे सुनाइ सेक्लेसे टमान विदेशी दम्पतीहे आकर्षित करे सेकि ।

सीता ओ रामके विवाह स्थलके रूपमे जनकपुरके सांस्कृतिक ओ आध्यात्मिक महत्व हिन्दु सभ्यताके साझा सम्पत्ति हो । हरेक वर्ष अगहन महिनाके शुक्ल पञ्चमीके दिन लाखौं श्रद्धालु साताव्यापी मनाइ विवाह परम्परा हेरे जनकपुरधाम अइठैं । भारतके टमान राज्यसे जन्ती अइना परम्परा अभिन जीवित बा । नेपाल ओ भारतके विशिष्ट व्यक्तित्व यी अवसरमे पूजाअर्चना करे अइठैं । यी सब तथ्यसे जनकपुरके अन्तर्राष्ट्रिय पहिचानहे बलगर बनैले बा । आब जनकपुरसे धार्मिक तीर्थयात्रीके आगमनसे सन्तुष्ट होके किल नैपुगि ओ वैवाहिक गन्तव्यके रूपमे विकास करे परठ ।

तीर्थयात्री कुछ घण्टा वा एक दिन बैठे सेक्ठैं, उहाँहुकनके खर्च सीमित रहठ । गन्तव्य विवाहके लाग अइना दम्पती ओ उहाँहुकनके पाहुना सामान्यतया तीनसे पाँच दिनसम बैठेपरना रहठ । उहाँहुक्रे होटेल, रिसोर्ट, यातायात, भोजन, फोटोग्राफी, भिडियो निर्माण, सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सौन्दर्य सेवा, हस्तकला, उपहार, स्थानीय भ्रमण ओ मनोरञ्जनमे भारी रकम खर्च करठैं । यिहिनसे एक विवाहसे स्थानीय अर्थतन्त्रके दर्जनौं क्षेत्रहे प्रत्यक्ष लाभ पुगठ । जनकपुर आब केवल 'तीर्थ आस्था' किल नाइहो, 'विवाह अनुभव' फेन सेयर करे सिके परठ । यकर लाग कौनो एक तहके सरकारके प्रयाससे नैहुइठ । यम्ने तीनु तहके सरकारबिच नीतिगत सहकार्य ओ संस्थागत कार्ययोजना बनाके आगे बहे परल ।

जनकपुरधाम धार्मिक पर्यटनके केन्द्रके रूपमे चिन्हल टमान वर्ष हुइलेसे फेन विवाह पर्यटनके विश्वव्यापी बजारमे अपन स्थान बनैना भर अभिन सेकल नैहो । यहाँ पर्यटन, संस्कृति, पूर्वाधार, निजी क्षेत्र, होटेल व्यवसायी, विवाह आयोजक, हस्तकला उद्यमी, कलाकार ओ धार्मिक संस्थाहे एक ढाँचामे जोरना संयन्त्र बनल नैहो । सबजे अपनअपन क्षेत्रमे काम करल बा मने कौनो साझा दृष्टि ओ साझा ब्रान्ड निर्माण हुइ सेकल नैहो ।

भारतके राजस्थान आज विश्वके चर्चित वैवाहिक गन्तव्य केन्द्रमध्ये एक हो । उदयपुर, जयपुर ओ जोधपुरमे हरेक वर्ष हजारौं भारतीय तथा विदेशी जोडीके विवाह सम्पन्न हुइठ । वहाँक दरबार, ताल, ऐतिहासिक भवन ओ आतिथ्य सेवासे विश्वव्यापी ब्रान्ड बनैले बा । राजस्थानके विकासके लाग सरकार नीति बनाइल, निजी क्षेत्र लगानी करल, अन्तर्राष्ट्रियस्तरके सेवा विकास करल ओ चलचित्र उद्योग तथा डिजिटल प्रचारसे उहिनहे विश्वबजारमे पुगाइल । जनकपुरसँग दरबार नैरलेसे फेन राम-सीताके विवाहके जीवन्त कथा बा । राजस्थान इतिहासहे अर्थतन्त्रसँग जोरल । जनकपुर आध्यात्मिकता, संस्कृति ओ जीवित परम्पराहे आर्थिक विकाससँग जोरे सेकि ।

इन्डोनेसियाके बालीमे हजारौं

विचार
विजय मस्त

विदेशी जोडी विवाह करे पुठैं । उहाँहुक्के केवल समुद्र हेरे नैजैठैं । उहाँहुक्के स्थानीय संस्कृति, संगीत, भोजन, नृत्य, धार्मिक अनुष्ठान ओ प्राकृतिक वातावरणसँग जोरल सक्कु अनुभव खोज्ठैं । जनकपुर फेन यिहे दृष्टिकोण अपनाइ सेकि । यहाँ विवाह केवल माला लगैना कार्यक्रम नाइहो, यी मिथिला संस्कृतिके उत्सव बने । अतिथिहे स्वागतसे बिदाइसम प्रत्येक क्षणमे 'मिथिला' अनुभूति कराइ सेकि कलेसे जनकपुरके छुट्टे पहिचान बने सेकि ।

नेपालमे पर्यटनबारे चर्चा हुइबेर प्रायः हिमाल, पदयात्रा, वन्यजन्तु वा साहसिक पर्यटनके बाट हुइठ । विश्वभर विवाह उद्योग अबौं डलरके अर्थतन्त्रमे विकसित हुइल बा । विवाह पर्यटनसे केवल होटेलहे किल नैहोके किसानहे फूला बेच्न अवसर डेहठ । स्थानीय महिलाहे मेहदी, शृंगार ओ परम्परागत पोसाकके व्यवसाय डेहठ । मिथिला चित्रकारहे मण्डप सजैना काम, कुम्हारहे माटिक दीप ओ सजावटी सामग्री बनैना, मिठाई व्यवसायीहे नयाँ बजार डेहठ कलेसे पान व्यवसायीहे अतिरिक्त आम्दानी । फोटोग्राफर, भिडियो निर्माता, कार्यक्रम सञ्चालक, संगीतकार, कलाकार, गाइड, टेम्पोचालक ओ हस्तकला उद्यमी सबहे रोजगारी डेहठ ।

स्थानीय रूपमे नेपाल ओ भारतमे हुइना वैवाहिक समारोहके परम्परामे फरकपन आइल बा । सामान्य परिवारसे फेन अब्बे अधिकांश विवाह होटेल ओ रिसोर्टमे करठैं । अइसिनमे प्रत्येक वर्ष बाहिरसे कुछ सय संख्यामे फेन विवाहके लाग पर्यटक आकर्षण करे सेक्लेसे उहिनसे सिर्जना हुइना आर्थिक गतिविधि करोडौं रुपियाँमे पुगे सेकि । भारतीय मध्यम वर्ग ओ नेपाली प्रवासी समुदायहे विशेष लक्षित कैके प्रभावकारी योजना नाने परल । भारतके अधिकांश परिवार थाइल्यान्ड, बाली, दुबई ओ राजस्थानहे वैवाहिक गन्तव्यके रूपमे जाके विवाह करना करोडौं खर्च करटि बटैं । जनकपुर अपन मौलिक पहिचानसहित विश्वसनीय सेवा डेहे सेकि कलेसे पर्यटन अर्थतन्त्रमे भारी परिवर्तन आइ सेकि ।

विवाह संस्कृति

मिथिला संस्कृतिहे विवाह उद्योगसँग जोरे परल । जनकपुरके सबसे भारी सम्पत्ति भवन नाइहो, संस्कृति हो । मिथिला चित्रकलासे सहजल मण्डप, बाँस ओ प्राकृतिक सामग्रीसे बनल वातावरणमैत्री सजावट ओ विवाह गीत, लोकनृत्य, मखानाके परिकार, परम्परागत आतिथ्य, मिथिला पोसाक, स्थानीय गहनाके प्रयोग आदिहे विवाह प्याकेजके अनिवार्य हिस्सा बनाइ सेकि । विवाह एक कार्यक्रम किल नैहोके मिथिला संस्कृतिके जीवित संग्रहालय बने सेकि । निजी क्षेत्रसे विवाह उद्योगके विकास ओ नेतृत्व करे सेक्ना वातावरण सरकारसे बनाइ परल । *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतबन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२७३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२७१५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२७२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०७२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२७११३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२७१५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजली ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०७२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैंक ०९१-५२५७८५
सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-५२४८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२७२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२७१०७
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२७४२९
मालपोत.०९१-५२७२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२३२५५, भूमि सुधार.०९१-५२७२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२७१५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२७२७१
नवजिवन ०९१- ५२७२३३/५२७१३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२७३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२७२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२७६००
सामुहायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२७१५५
दिनेश मेटल ०९१-५२७३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९९८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२५६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुलाजा०९१-५२२८३०/५२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२७२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२७०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४७१५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२७०७०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२७२४२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

बीसौँ एसियन खेलकुद कञ्चनपुरके नौ खेलाडी मैदानमे

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १८ सावन । जापानमे आयोजना हुइना आगामी २०औँ एसियाली खेलकुद (एसियाड) मे नेपालके प्रतिनिधित्व कैँटी व्यक्तिगत ओ समूह खेलमे कैके कञ्चनपुरके नौ जाने खेलाडी सहभागी हुइटी रहल बटै ।

सुदूरपश्चिममे खेलाडी उत्पादन कैना जिल्लाके रूपमे परिचित कञ्चनपुरसे उत्पादन हुइल महिला तथा पुरुष सहित नौ जाने खेलाडी ओ तीन प्रशिक्षक एसियाली खेलकुद प्रतियोगितामे परल बटै ।

एसियाली खेलकुदमे पुरुष ओ महिला कबड्डी खेलमे प्रमुख प्रशिक्षकके भूमिकामे विष्णुदत्त भट्टसहित राष्ट्रिय कबड्डी टिम अब्बे भारतके हरियाणामे प्रशिक्षणमे रहल बटै । एसियाली खेलके तयारीके लाग हाल अन्तरराष्ट्रिय अभ्यासमे रहल महिला कबड्डीमे कञ्चनपुरके उपस्थिति बलगर रहल बा । १९औँ एसियाली खेलकुदमे फेन नेपालके महिला कबड्डी काष्य पदक जिटल रहे ।

कबड्डीके प्रमुख प्रशिक्षक भट्ट भारतके हरियाणामे नेपाली टिम डेढ महिनासम प्रशिक्षण कैना जानकारी डेलै । "डुनु टिमके पदक लन्ना सम्भावना उच्च रहल बा", उहाँ कहलै, "विगतमे फेन अनुभव लेसेकल खेलाडी सहभागी रहल बटै, मेहनत फेन करटी रहल बटी ।" बीसऔँ एसियाली खेलकुदमे महिला कबड्डी टिमके कञ्चनपुरके मानमति विष्ट, रबिना चौधरी, जयन्ती

बडु ओ मनिषा जोशी रहल बटै । १९औँ एसियालीमे कञ्चनपुरके छ खेलाडी प्रतिस्पर्धामे सहभागी रहिट । उ मध्ये आसन्न एसियालीमे यहाँसे रविना, जयन्ती ओ मानमति पुनःछनोट होके प्रतियोगिताके तयारीमे व्यस्त रहल बटै ।

नेपालके के इतिहासमे कञ्चनपुरसहित सुदूरपश्चिमके योगदान शीर्षस्थानमे रहल जिल्ला खेलकुद समिति कञ्चनपुरके अध्यक्ष ज्ञानेन्द्रबहादुर सिंह बटैलै । उहाँ कहलै, "राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय खेलकुद प्रतियोगितामे हमार उपस्थिति दशकौँसे रहटी आइल बा ।" उहाँ पाछेक समय खेल संरचनाके विकासमे विशेष जोड डेनाके साथे खेलाडीके हकहितके लाग समिति लागल बटैलै ।

ओस्टके, २०औँ एसियालीमे पुरुष कबड्डी टिममे फेन कञ्चनपुरके तीन खेलाडी छनोट होके प्रशिक्षणमे बटै । पुरुष कबड्डी टिममे प्रकाश गिरी, सुरज बोहरा ओ अशोक जोशी रहल बटै । आसन्न एसियाली खेलकुदके तयारीअन्तर्गत नेपालके कुस्ती टोली फेन अन्तरराष्ट्रिय अभ्यासके लाग भारतके अयोध्यास्थित नन्दनीनगरमे रहल बा । दुई महिनाके अभ्यासके लाग कुस्ती प्रशिक्षक राजेन्द्रबहादुर चन्द सहित छ जाने खेलाडी वहाँ पुगल हुइट ।

कुस्ती प्रशिक्षक चन्द इ बेर एसियाली खेलकुदमे नेपालके कुस्ती टिमके जिम्मेवारी पाइल बटैटी कहलै, "छ खेलाडीमध्ये दुई जाने कञ्चनपुरके उत्पादन हुइट", उहाँ कहलै, "भारतमे अनुभवी खेलाडीनसँग हमार टिमसे नियमित अभ्यास करे पाइबर आसन्न प्रतियोगितामे पदकके आशा करले बटी ।" लम्मा समय कञ्चनपुरके प्रतिनिधित्व कैँटी कुस्तीमे आपन उमेर समूहमे अब्बल बनल सुरेश चुनारा ओ शिवाङ्गी दुबे उक्त टोलीमे रहल बटै ।

"अब्बे डुनु जाने नेपाली सेनाके त्रिभुवन क्लबसँग आवद्ध बटै", प्रशिक्षक चन्द कहलै, "सक्कु खेलाडी कडा मेहनतके साथ लगनशील होके प्रशिक्षणमे जुटल बटै ।" ओहकान अनुसार सुरेश ७४ किलो तौल समूह ओ शिवाङ्गी ५७ किलो तौल समूहमे एसियाली खेलकुदमे प्रतिस्प्रर्धा कैना बटै । सुरेशके इ टिसरा एसियाली खेलकुदमे सहभागिता हो कलेसे, शिवाङ्गके फेन एसियालीमे डुसरा अवसर हो ।

आगामी सेप्टेम्बर १९ तारिखसे अक्टोबर ४ तारिखसम जापानके नागोया ओ आइची सहरमे 'एसियन गेम्स' आयोजना हुइना एसियाली खेलकुदमे नेपालके ओरसे २३ ठो खेलके प्रतिनिधित्व कैँटी खेलाडी सहभागी हुइना बटै । कम खेलमे अन्तरराष्ट्रिय अभ्यास खेलाडीसे करटी रहलेसे फेन ढेर खेलाडी आन्तरिक तयारी तथा प्रशिक्षणमे रहल बटै ।

ओस्टके महिला भलिबल टिमके नेतृत्व कैके कञ्चनपुर घर रहल भलिबल प्रशिक्षक जगदीशप्रसाद भट्ट फेन एसियालीमे सहभागी हुइना बटै । लम्मा समय कञ्चनपुरमे भलिबल खेलाडी उत्पादनके साथे सुदूरपश्चिममे आधुनिक भलिबल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापनामे ओहकान योगदान रहल बा ।

अध्यागमनसे डेना सेवा सीमित

पहुरा समाचारदाता

दार्चुला, १८ सावन । विगतमे सौका समुदायके 'कुन्वा' सँगे छाङु सर्ना साबिकके (सीमा प्रशासन कार्यालय) हालके अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय तिङ्कर सदरमुकाम खलङ्गामे राखल बा ।

कार्यालयमे शाखा अधिकृतसहित छ जाने कर्मचारीके दरबन्दी रहल बा । यहाँके अध्यागमन कार्यालयसे भारतीय डगरा हुइटी व्यासक्षेत्र जउइया नेपालीहे बहुयात्रा अनुमतिपत्रके सिफारिस डेना एकठो किल सेवा डेटी आइल बा ।

साबिकके सीमा प्रशासन कार्यालय वैशाख पहिल अँठ्वार सौका समुदायके 'कुन्वा' सँगे व्यास गाउँपालिका–१, छाङुमे सर्ना करलमे तत्कालीन सरकारके मन्त्रीपरिषद्के बैठकसे २०८१ कात्तिक ८ गते सीमा प्रशासन कार्यालय व्यास छाङु दार्चुला खारेज कैँटी अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय तिङ्कर नामकरण करलपाछे ओट्ठनसे यहाँर कार्यालय सदरमुकाम खलङ्गामे रहल बा ।

आव २०८०/८१ सम इ कार्यालय गर्मीके छ महिना छाङु ओ हिउँदके छ महिना सौका समुदायसँगे खलङ्ग सर्ना करल अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय तिङ्करके निमित्त कार्यालय प्रमुख गोपालसिंह बोहोरा बटैलै । एक ठाउँसे औरे ठाउँमे बसाइँ सनहि सौका समुदायके भाषामे 'कुन्वा' सर्ना कहिजाइठ् ।

साबिकके कार्यालय खारेज कैके अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय हुइलठनसे कार्यालय खलङ्गामे रहल उहाँ बटैलै । कार्यालय लगातार दुई बरससम छाङु नैसरलपाछे छाङुस्थित कार्यालय प्रयोजनके लाग भाडामे लेके घरसमेत गत सावनसे खाली करल उहाँ जानकारी डेलै ।

विसं २०४१ मे स्थापना हुइल सीमा प्रशासन कार्यालयसे बहुयात्रा अनुमतिपत्र जारी कैनाके साथे सीमावर्ती क्षेत्रमे घटल मुख्य घटनाके विवरण हरेक महिना गृह मन्त्रालयमे पठैना करल उहाँके कहाइ रहल बा । कार्यालयसे नागरिकहे डेना सेवा भर एकमेरके किल रहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

उहाँ कहलै, "हम्रहीनहे टोकल जिम्मेवारी अटरे हो, इ बाहेक नागरिक कार्यालयसे पैना अन्य सेवा कुछ नैहो।" साथे उहाँ मासिक रूपमे सीमाक्षेत्रके अवस्थाबारे अध्यागमन विभाग ओ गृह मन्त्रालयमे प्रतिवेदन पठैना करल बटैलै । उप्पर निकायसे थप कुछ निर्देशन नैआइल तथा खलङ्गामे बैठके बहुयात्रा अनुमतिके सेवा डेटी रहल उहाँ जानकारी डेलै ।

व्यास गाउँपालिका–१ के वडाध्यक्ष अशोक बोहोरा अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालय नामकरण करलपाछे कार्यालय खलङ्गामे रहेबर स्थानीयहे सेवा लेना समस्या हुइल बटैलै ।

साबिकके सीमा प्रशासन कार्यालयहे खारेज कैके अध्यागमन कार्यालय नाउँ रख्ना ओ कार्यालय स्थापना नैकैनासे स्थानीयहे सेवा लेना समस्या हुइटी रहल उहाँके कहाइ रहल बा । उहाँ कहलै, "सरकारसे तिङ्कर नाकाहे वैधानिक रूपमे खोले परठ, टब किल अध्यागमन कार्यालय स्थापना कैना सार्थक हुइरु ।"

अध्यागमन तथा सीमा प्रशासन कार्यालयसे गत आव २०८२/८३ मे दुई हजार ८३६ नागरिक व्यास क्षेत्र जैना बहुयात्रा अनुमतिपत्र लेले बटै । भारतके डगरा हुइटी व्यास क्षेत्र पुगक लाग भारतीय डगरा प्रयोग कैना जारी कैना अनुमतिपत्रहे बहुयात्रा अनुमतिपत्र कहिजाइठ् ।

पर्यटकके वैवाहिक...

नीतिगत निर्णय, पूर्वाधार विकास, करमे छुट, सहुलियतमे ऋण, प्रशासनिक सहजीकरण ओ सरोकारवालाबिच सहजीकरणके काम सरकारके नेतृत्वमे हुइ परठ । आवश्यक लगानीके लाग होटेल, इभेन्ट म्यानेजमेन्ट कम्पनी, ट्राभल एजेन्सी, एयरलाइन्स, बैंक, बिमा कम्पनी ओ स्थानीय उद्यमीसे अग्रता देखाइ परठ । सरकारके मन्त्री, सांसद तथा राजनीतिक दलके नेता विदेश भ्रमण करेबेर, कूटनीतिक सम्बन्ध विस्तार करेबेर ओ विदेशस्थित नेपाली दूतावास विवाह गन्तव्यहे प्राथमिकताके साथ आगे बढाइ परल ।

नेपाल पर्यटन बोर्ड रामायण विवाह यात्राके प्याकेज तयार कैके भारतीय चर्चित पर्यटकीय सरकारी संस्थासँग समन्वय करे सेकि । भारतके अयोध्या, वाराणसी, पटना ओ दिल्लीस्थित ट्राभल कम्पनीसँग सहकार्य कैके जनकपुरधामहे विवाह गन्तव्यके रूपमे प्रचारप्रसार करे परल । विवाहसँगे धार्मिक भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम ओ मधेश भ्रमणसँग जोरे सेक्लेसे बसाइ लम्बि ओ खर्च फेन बहि ।

प्रविधिके युगमे हरेक जोडी विवाहके पहिल तयारी सामाजिक सञ्जालसे सुरु करठै । सामाजिक सञ्जाल ओ इन्टरनेट नेटवर्कमे जनकपुरधामबारे खोजेबेर विवाहसँग जोरल आकर्षक फोटु भिडियो, व्यावसायिक वेबसाइट, बुकिङ प्रणाली, विवाह प्याकेज, लागत, होटेल, फोटोग्राफर, कलाकार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कानुनी प्रक्रिया ओ सम्पर्क विवरण आदिके बारेमे सहज रूपमे जानकारी उपलब्ध कराइ सेक्लेसे सम्भावित वैवाहिक पर्यटकसे यिहिनहे अवश्य प्राथमिकता डेहे परल ।

विश्वमे टमान सहर कृत्रिम कथा निर्माण कैके पर्यटक आकर्षित करल बा । संघीय सरकार, मधेश प्रदेश, स्थानीय सरकार, निजी क्षेत्र ओ स्थानीय समुदाय एक लक्ष्यमे रहे सेक्लेसे जनकपुर केवल धार्मिक तीर्थस्थल किल नैहो, यी दक्षिण एसियाके सबसे विशिष्ट सांस्कृतिक तथा वैवाहिक गन्तव्यके रूपमे स्थापित हुइ सेकि ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

३० महिनामे...

हुलाकी सडक कार्यालयसे २८ करोड रुपयाँ भुक्तानीसमेत लेहल रहे ।

बेलौरी नगरपालिकाके उपप्रमुख जोगराम चौधरीसे बेलौरी–बेल्डाडी खण्डके निर्माण पूरा कैना ढेर चो पहल हुइल फे सडक नैबनल दुख पोख्लै ।

"हम्रे इ बीचके अवधिमे मन्त्रीसे प्रधानमन्त्रीसमहे सडक निर्माणके विषयमे ज्ञापन बुझल," उहाँ कहलै, "भारतीय पक्षसे अवरोध हुइल भागमे कालोपत्रे कैना भारतीय एसएसबीसँगेफे पहल करलै, मने उपलब्धि नैहुइल ।"उहाँसे उ सडकखण्ड अब्बे हिलाम्मे हुइटी स्थानीयवासीहे नेङना डुलना समेत समस्या रहल बटैलै। "हुलाकी सडक योजना कार्यालयसे लवा ठेक्का हुइ कहटी सुनल बा," उहाँ कहलै, "लवा ठेक्का खुललपाछे व्यवस्थित रूपमे समयमे निर्माण सेकल करके लागेक पर्ना । इ सडक नै बनट जनप्रतिनिधिकेफे बेइज्जतीके स्थिति हुइसेकल बा। सडक सम्पन्न नैहुइल दुःखी बटी ।"

मोटरसाइकलको फाइल हराएको सूचना

यहि मिति २०८३ साउन ११ गते अत्तरियादेखि धनगढी जाने क्रममा अर्जुनराज ढुंगानाको नाममा दर्ता भएको सु.प.प्र. ०१-००८ प १६९१ नम्बर मोटरसाइकलको फाइल हराएको हुँदा पाउनुहुने महानुभावहरूले सम्बन्धित व्यक्ति वा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाई दिनहुन अनुरोध छ ।

सम्पर्क व्यक्ति: **अर्जुनराज ढुंगाना** मो. ९८४८४१५०३९

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुदूरपश्चिममे बजेट शून्यता : कर्मचारीहे तलब खवैना समस्या, मुख्यमन्त्री अभिन नै हो राजीनामाके मुड

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे प्रदेश सभामे पेस करल आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के बजेट पारित हुइ नैसेक्टी प्रदेश बजेट शून्यताके अवस्थामे पुगल बा ।

आर्थिक मामिला ओ योजनामन्त्री विक्रमसिंह धामीसे असार १ गते आधा रातमे प्रदेश सभामे पेस करल ३७ अर्ब ७० करोड बराबरके बजेट पारित हुइ नैसेक्टी इ स्थिति आइल हो ।

सत्ता गठबन्धनके दलहे नेपाली कांग्रेस ओ नेकपा (एमाले) बिचके विवादके कारण मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहसे एमालेके मन्त्रीहुकनहे बर्खास्त करल रहे । अपन मन्त्रीहे बर्खास्तीमे परलपाछे एमालेसे असार ३१ गते सरकारहे देहल समर्थन लौटना लेहल रहे ।

लवा आर्थिक वर्ष सुरु हुइल १९ दिन बिटलमेफे कामचलाउ सरकारके मुख्यमन्त्री शाह राजीनामा नै देहल बटै, ना विपक्षी दलहुकनके समर्थन लैके बजेट ना पारित करे सेकल हो । एमालेसे समर्थन औटना लेहलपाछे नैतिकताके आधारमे मुख्यमन्त्री शाहसे राजीनामा देना साटो सत्ता जोगाइना असफल प्रयासमे लागल आरोप विपक्षी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) ओ नेकपा (एमाले) से लगाइल बटै ।

भावी मुख्यमन्त्री एवं नेकपा संसदीय दलके नेता खगराज भट्टसे मुख्यमन्त्री शाहके कारण प्रदेश 'बजेट होलिडे' मे गिल आरोप लगाइल प्रदेश सभासे बजेट पारित हुइ नैसेक्टी कर्मचारीहे तलबसमेत खवाइना नैसेक्ना स्थिति सिर्जना हुइल उहाँके कहाइ बा ।

'यहाँ अब्बे बजेट होलिडेके स्थिति बा। मुख्यमन्त्री शाहके कारणसे बहुमतके सरकार ओ गठबन्धन भत्कल हो । इ स्थितिमे कर्मचारीहुकनसे तलब नैपाइल अवस्था बा, सक्कु बाट ठप्प बा,' बाट करटी भट्ट कहलै, 'सुदूरपश्चिममे कुछ प्राकृतिक विपत्ति आइल कहटी उहिन व्यवस्थापन कैना हम्रे सँगे कुछ स्रोत नै हो । रकम खर्च कैना कुछ अख्तियारी नै हो । उ अवस्थामे लम्बा समय अैसिक बैठना जनता ओ राष्ट्रप्रतिके जवाफदेहिता एवं जिम्मेवारीमे सरकार ओ मुख्यमन्त्रीज्यूके गम्भीरता नै देखल हो ।' विपक्षी गठबन्धनसँगे ३१ जाने सांसदसहित स्पष्ट बहुमत पुग्सेकल अवस्थामेफे नैतिकताके आधारमे मुख्यमन्त्रीसे राजीनामा नैदेना राजनीतिक बेइमानी हुइल भट्ट बटैलै ।

'विपक्षी गठबन्धनमे ३१ जानेसहित स्पष्ट बहुमत हुइसेकल स्थितिमे अब्बे खेल्ना ठाउँ कहु फे नै हो, उहाँ अल्पमतमे परल ओ औरे वैकल्पिक सरकार बन्ना ग्यारेन्टी नैहुइल स्थितिमे 'कुछ करके मै सेकम , कि' कहटी प्रयास कैना बाटहे अन्यथा मान्न नै सेक्जाइ ,' भट्ट कहलै, 'मने उहाँ वैकल्पिक सरकार बन्ना ग्यारेन्टी हुइसेकल बा । टबफे मुख्यमन्त्री कुर्सीमे टाँसल बटै । बजेटहे होलिडेके परिस्थिति बनाके कुर्सीमे टाँसल बाटसे स्वयं कांग्रेस पार्टी ओ उहाँहे नै माजा करही ।'

यहाँ, आर्थिक मामिलामन्त्री विक्रमसिंह धामी कहलै मुख्यमन्त्रीसे एक महिनाभिटर विश्वासके मत लेना पाइना संवैधानिक अधिकार रहल उहाँ अब्बे राजीनामा देना मुडमे नैहुइल जिकर करलै ।

'मुख्यमन्त्रीसे विश्वासके मत लेना एक महिनाके समय रहाठ, उ संवैधानिक अधिकार हो । सायद साउन २८ गते एक महिना पुगट बा । तरल राजनीतिमे कुछ बेला का हुइठ , पाटा नै रहाठ । उ कारण संवैधानिक अधिकारके पूर्ण रूपसे पालना कैना बाट हो । अब्बे राजीनामा देना मुडमे मुख्यमन्त्री नै हुइटै,' मन्त्री धामी कहलै ।

'बजेट होलिडे' के कारण कर्मचारी तलब नैपाइल गुनासोके सम्बन्धमे विपक्षी दलहुकनसँगे निरन्तर छलफल हुइटीरहल उहाँके दाबी करल बा ।

मन्त्री धामी कहलै, 'उ विषयमे छलफल कैना नेपाली कम्युनिष्ट पार्टीके नेताहुकरे धनगढी पुगल बटै । विपक्षी दलके नेताहुकन सँगे अनौपचारिक रूपमेफे कुराकानी हुइटी रहल बा । मन्त्रालयके हिसाबसे हम्रे पूर्ण रूपमे तयारी करटी रकल बटै । अध्यादेश ल्यानल कम्तीमे कर्मचारीके तलबके विषयमे निकास निकरना बारे छलफल हुइठ । अन्य बजेट प्रक्रियाके बाट लवा बन्ना सरकारके लग काम लागी, मने कम्तीमे कर्मचारीके तलब व्यवस्थापनके लग आजसे छलफल चली 'अपन सहभागी सरकारसे ल्यानल बजेट पारित हुइ नैदेना एमालेसे राजनीतिक बेइमानी करल मन्त्री धामीके आरोप बा ।

'कुछ दलसे कबके किहिनहे समर्थन कराठ कहटी पाटा नै हो । दलहुकन इहे क्रियाकलापसे करके प्रणालीप्रति नागरिकके गुनासो बह्रल बा । अब्बे फे कुछ दलहुकन अपने सुध्रे नैसेकल हुइटै ।

मन्त्रिपरिषदसे पास करलपाछे किल बजेट सदनमे प्रस्तुत हुइना हो । अपन सहभागी रहलके सरकारसे ल्यानल बजेटमे संशोधन प्रस्ताव दर्ता कैना कुरामे नैतिकता कहटी चिज सबहे लागू हुइकपर्ना हो,' मन्त्री धामी कहलै, 'पार्टीके केन्द्रीय सभापतिसे पुरानो खालके खेल नैकरना कहल बटै । मने, संवैधानिक अधिकारके बाट हुइल कुछ दलहुकनसँगे छलफल हुइल । सर्वदलीय बैठकसे कुछ निर्णय करलै । मुख्यमन्त्रीसे पार्टी सभापति ओ अन्य दलके नेताहुकन सँगे छलफल करल बटै ।'

बजेट पास करके समाधानके डगर खोज्ना उहाँसे सक्कु दलहुकनसँगे आग्रह करल बटै । बजेट पारित नैहुइट टरेक कर्मचारी ढेर मर्कामे परलसे प्रदेशहे इहिन अन्योलमे राख्ना नैहुइना मन्त्री धामीके कहाइ बा ।

सरकारसे बजेट कार्यान्वयनके लग कुछ वैकल्पिक कानुनी व्यवस्था कैना नैसेकलपाछे प्रदेश सरकार साउन १ गतेसे खर्चविहीन बनल बा । बजेट अभावमे प्रदेश मातहतके कुछ फे सरकारी निकायसे लवा खर्च करे नै पाइही ।

सुदूरपश्चिममे एमालेके सांसदहुकनसे बजेटविरुद्ध संशोधन प्रस्ताव दर्ता करल पाछे उत्पन्न विवाद मिलाइना कांग्रेसके महामन्त्री प्रदीप पौडेल ओ एमाले लेखा आयोगके अध्यक्ष डा. पुष्प कँडेल सुदूरपश्चिम हुइल रहे । मने, उहाँहुकन विवाद समाधान कैना असफल हुइल रहे ।

२०८१ असार १७ गते कांग्रेसके तत्कालीन सभापति शेरबहादुर देउवा ओ एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओलीबिच हुइल ७ बुँदे सहमति अनुरूप वर्तमान सरकार बनल रहे । मने, साउन ९ गते नेकपा ओ एमालेबिच प्रदेश सरकारमे सहकार्य कैना विषयमे हुइल तीन बुँदे सहमतिपश्चात् सक्कु प्रदेशमे लवा सरकार बन्ना प्रक्रिया अगे बह्रल बा ।

सहमतिअनुसार एमालेसे कोशी, बागमती ओ लुम्बिनी प्रदेश सरकारके नेतृत्व पाइल बा कहटी नेपाली कांग्रेससे सुदूरपश्चिम ओ कर्णाली प्रदेश सरकारके नेतृत्व पाइल बा । मधेस ओ गण्डकी प्रदेशमे कहटी अन्य दलसँगे परामर्श करके अगे बह्रल निर्णय हुइल रहे ।

वित्तीय हस्तान्तरणके बजेटमे कर्णाली सरकारके कडाइ- प्रगति विवरण नैबुझल अनुदान रोक्का कैना चेतावनी

पहुरा समाचारदाता

सुर्खेत, १८ सावन । कर्णाली प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक वर्षमे अन्तर सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण अन्तर्गत कर्णालीके ७९ ठो स्थानीय तहहे ५ अर्बसे ढेर बजेट बाँडफाँट करल बा । उ रकमके दुरुपयोग रोक्ना कडाइके साथ २८ बुँदे मार्गदर्शन जारी करल बा ।

अर्थ मन्त्रालयसे जारी करल उ निर्देशनमे स्थानीय तहमे वित्तीय हस्तान्तरणसे सञ्चालन हुइना आयोजना वा कार्यक्रमके वित्तीय ओ भौतिक प्रगति विवरण उपलब्ध नै करल अनुदान रोक्का करदेना चेतावनी देहल बा ।

'आयोजना ओ कार्यक्रमके वित्तीय ओ भौतिक प्रगति विवरण अर्थ मन्त्रालयसे माग करे सेक्ना बा,' मार्गदर्शनमे करल बा, 'इ माग करल विवरण पेस नैकरना स्थानीय तहहे उपलब्ध करना जोनटोन अनुदान रकम रोक्का करल बा ।' एकरआघे प्रदेशसे स्थानीय तहमे देहल बजेटउप्पर निगरानी कैना करल रहे । जेम्मेसे करके स्थानीय तहमे बजेटके दुरुपयोग हुइटी रहल गुनासो आइटी रहल बटलै ।

प्रदेशके उ निर्देशनसे स्थानीय तहमे गिल बजेटके सही सदुपयोग हुइना अपेक्षा करल बा । ओस्टेक, प्रदेश सरकारसे यहाँ स्थानीय तहके लग हस्तान्तरण करल सर्शत, समपूरक ओ विशेष अनुदानके रकम अन्यत्र खर्च नैकैना कहल बा ।'जुन आयोजना ओ कार्यक्रमके लग हस्तान्तरण हुइल हो उ आयोजना ओ कार्यक्रममे खर्च करना,' स्थानीय तहसे सम्बोधन करल पत्रमे कहल बा । पत्रमे स्थानीय तहसे सङ्कलन हुइना मनोरञ्जन कर, विज्ञापन कर, पर्यटन शुल्क ओ प्राकृतिक स्रोतके सङ्कलन बापतके रकम बाँडफाँट करके प्रदेश सञ्चित कोषमे दाखिला नै करनामे स्थानीय तहहे देना वित्तीय समानीकरण अनुदानके रकमसे कट्टा करनाफे कहल बा ।

मन्त्रालयसे टमान अनुदानसे सञ्चालन हुइना आयोजना ओ कार्यक्रमके हकमे चालु आर्थिक वर्षके हस्तान्तरित बजेटके सीमाभिटर रहल किल कार्यान्वयन कैना स्पष्ट निर्देशन करल बा । अगर कुछ कारणबस यैसिन आयोजना समयमे सम्पन्न हुइ नैसेकलमे स्थानीय तहसे स्रोत व्यवस्थापन कैना निर्देशित करल बा ।

प्रदेश सरकारसे वित्तीय हस्तान्तरण हुइल आयोजना ओ कार्यक्रम कार्यान्वयन करके खुला बोलपत्र मार्फत करल खरिद प्रक्रियाहे प्राथमिकता देना कहल बा । साथे, सशर्त अनुदान अन्तर्गत सञ्चालित आयोजना ओ कार्यक्रमके भौतिक ओ वित्तीय प्रगति विवरण विषयगत मन्त्रालय ओ सम्बन्धित प्रदेश लेखा नियन्त्रक/इकाई कार्यालयमे त्रैमासिक रूपमे पठाइनाफे उर्दी करल बा । वित्तीय अनुशासन अन्तर्गत आर्थिक वर्ष २०८२/०८३ के आम्दानी ओ खर्चके प्रतिवेदन इहे महिनाके मसान्तभिटर पठैना कहल बा । 'यदि यैसिन प्रतिवेदन प्राप्त नैहुइल चालु वर्षके राजस्व बाँडफाँट ओ अनुदान बापतके रकम हस्तान्तरण नै हुइल हो ,'मार्गदर्शनमे कहल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ अवस्थित कित्ता नं. २९४ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री प्रेमबहादुर थापाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः मखमलबहादुर थापा | **पश्चिमः** पार्वतीदेवी चौधरी
दक्षिणः मेनुका थापा | **उत्तरः** सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

लामखुट्टेबाट सर्ने रोगबाट बचौं

- लामखुट्टेको टोकाईबाट औलो (मलेरिया), डेंगी, कालाजार, जापानीज इन्सेफलाइटिस जस्ता संक्रामक रोग लाग्न सक्दछ।

त्यसैले, लामखुट्टेको टोकाईबाट बच्नः

- घर वरिपरि पानी जम्न नदिऔं,
- घर तथा गोठ वरिपरि सफा सुग्घर राखौं,
- गोठ तथा खोर घरभन्दा टाढा बनाऔं,
- शरिर ढाक्ने कपडा लगाऔं,
- सुत्दा झुल टाँगेर मात्र सुतौं,
- झ्याल तथा ढोकामा लामखुट्टे पस्न नदिन जाली लगाऔं।

लामखुट्टेको टोकाईबाट बचौं र बचाऔं

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी,

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली